आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 16.03.2025 समय : 1905

<><><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लंदन के सेंट्रल बैंकिंग द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को डिजिटल परिवर्तन पुरस्कार के लिए चुने जाने पर सराहना की।
- आज देशभर में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस मनाया जा रहा है।
- केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान की ओर से अट्ठारह मार्च को किसान मेला का आयोजन ।
- डी जी पी कप, टी–20 लीग–कम–नॉकआउट क्रिकेट टूर्नामेंट, कल नेताजी स्टेडियम में आरंभ हुआ।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लंदन के सेंट्रल बैंकिंग द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को डिजिटल परिवर्तन पुरस्कार–2025 के लिए चुने जाने पर सराहना की है। श्री मोदी ने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि सरकार, शासन में नवाचार और दक्षता पर बल देती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल नवाचार भारत के वित्तीय पारिस्थितिकीतंत्र को लगातार मजबूत कर रहा है और असंख्य लोगों को सशक्तक बना रहा है।

<><><><><><><><>

आज देशभर में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस टीकाकरण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर वर्ष सोलह मार्च को मनाया जाता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया है कि देश के प्रत्येक बच्चे की स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य हासिल करने के लिए टीकाकरण अनिवार्य है। मंत्रालय ने बताया है कि राज्य सरकारों और समर्पित अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सरकार बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने के लिए प्रतिबद्ध है। संपूर्ण टीकाकरण कवरेज के तेजी से विस्तार के लिए वर्ष–2014 में मिशन इंद्रधनुष की शुरूआत की गई थी। इसका उद्देश्य शिशु मृत्युदर में कमी लाना और बच्चों में संपूर्ण टीकाकरण को प्रभावी बनाना था।

<><><><><><><><>

भारत सरकार के पशुपालन तथा डेयरी विभाग ने हाल ही में पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह मनाया। इसका उद्देश्य अच्छे पशुपालन प्रथाओं के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और देश भर में पशुधन के कल्याण में सुधार लाना था। इसके अंतर्गत श्री विजयपुरम के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने पूरे द्वीप समूह में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की। कॉलेज स्तर पर 'कार्रवाई में करुणा–पशु कल्याण के लिए युवाओं को सशक्त बनाना' विषय पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम में चार सौ से अधिक कॉलेज छात्रों को पशु कल्याण, पशु संरक्षण कानून आदि के बारे में जागरूक किया गया। छात्रों को पालतू पशुओं के लिए जीवन रक्षक सीपीआर के बारे में बताया गया। चवालिस छात्रों को पशु कल्याण राजदूत के रूप में काम करने के लिए चुना गया। चयनित राजदूत समुदाय और पशु कल्याण संगठन के बीच की दूरी को कम करने का काम करेंगे। पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा वार्ड सदस्यों को शामिल करते हुए घर–घर का दौरा किया गया और पशुपालकों को अच्छे पशुपालन के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। कचरे के सुरक्षित निपटान पर भी जोर दिया गया। आदिवासी क्षेत्र के किसानों को अपने पशुओं के लिए कम लागत वाले घर बनाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें सलाह दी गई कि वे अपने पशुओं को बाड़ों में रखकर धीरे–धीरे पारंपरिक प्रणाली से वैज्ञानिक प्रणाली की ओर बढ़ें।

<><><><><><><><>

केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों के सहयोग से अट्ठारह और उन्नीस मार्च को किसान मेला का आयोजन करेगा। यह मेला गाराचरामा अनुसंधान परिसर में आयोजित होगा, जिसमें दक्षिण तथा मध्योत्तर अण्डमान और निकोबार ज़िले के लगभग एक हज़ार किसान भाग लेंगे। यह दो दिवसीय मेला किसानों तथा शोधकर्ताओं को एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा, जहां वे पारंपरिक कृषि पद्धतियों और आधुनिक वैज्ञानिक नवाचारों के समावेश पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थाई और समृद्ध कृषि भविष्य को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम अट्ठारह मार्च को सुबह साढ़े आठ बजे शुरू होगा। इस मेले में आधुनिक कृषि तकनीकों के साथ–साथ स्थानीय उत्पादो और अत्याधिक तकनीकों को प्रदर्शित किया जाएगा। केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. ई वी चाकुरकर ने बताया कि यह आयोजन कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए एक बडा मंच प्रदान करेगा।

<><><><><><><><>

प्रशासन के कृषि विभाग ने नई दिल्ली के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से मधुमक्खियों के संरक्षण, उनके उत्पादों को बढ़ावा देने और वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पद्धतियों में ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए हाल ही में दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित खंड विकास अधिकारी ललिता तिग्गा ने फेरारगंज के सामुदायिक हॉल में किया। इस अवसर पर क्षेत्र के ज़िला परिषद सदस्य अब्दुल बशीर और कृषि के संयुक्त निदेशक रमेश कुमार भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने स्वयं सहायता समूह को मधुमक्खी पालन को एक आकर्षक स्वरोजगार के अवसर और कृषि सहायक गतिविधि के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कृषि संयुक्त निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि मधुमक्खियां पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जिला परिषद सदस्य अब्दुल बशीर ने किसानों और स्वयं सहायता समूहों को मधुमक्खी पालन अपनाने की सलाह दी। तकनीकी सत्र के दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा मधुमक्खी पालन के विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। एच वी ए डी ए के तहत मधुमक्खी पालन उद्यमों के लिए विभागीय योजनाओं और संस्थागत समर्थन पर भी प्रकाश डाला गया।

<><><><><><><>